(c) These mills are located mainly in Maharashtra, Uttar Pradesh, Tamil Nadu and Gujarat.

(d) BIFR has been established by the Government to evolve and manage rehabilitation packages in respect of viable sick/closed textile mills.

कपड़ा मिलों को बंद किया जाना

2050. **श्री वीरेन जे० शाह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कपड़ा उद्योग में उत्पन्न अवरोधों के कारण 1175 मिलों में से 132 कपड़ा मिलें पूर्णतया बंद हो गयी हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन बंद मिलों में मार्च, 1994 तक कुल कितना पूंजी निवेश था और उनमें कार्य कर रहे स्थायी तथा अस्थायी कर्मचारियों की संख्या कितनी थी ;

(ग) क्या यह सच है कि सूती वस्त्र संबंधी औद्योगिक समिति की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक में 1985 में घोषित कपड़ा नीति की समीक्षा करने की आवश्यकता अनुभव की गई ;

(घ) यदि हां, तो क्या वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार पिछली कपड़ा नीति में संशोधन करने के लिए सरकार द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) (क) 29 मिलें सरकारी समापन के अधीन हैं। 30-6-1994 को विभिन्न कारणों से 100 सूती/मानव निर्मित फाइबर वस्त्र मिलें अस्थाई रूप से बंद पड़ी हैं। लेकिन आई डी अधिनियम के अंतर्गत कोई भी सूती मानव/निर्मित फाइबर मिल बद नहीं है।

(ख) मिलों का बंद होना सामान्यतः अस्थाई होता है। कुछ बंद पड़ी हुई मिलें दुबारा खुल जाती हैं जबकि कुछ चालू मिलें अस्थाई रूप से पुनः बंद हो जाती हैं इसलिए उसमें लगे निवेश में परिवर्तन होता रहा है। 31-3-1994 तक की स्थिति के अनुसार इन मिलों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 1.73 लाख थी।

(ग) जी हां।

(घ) और (ङ) समिति के सदस्यों को यह बता दिया गया है कि वस्त्र नीति के मौजूदा उपबंधों को उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना गया है। यह भी बताया गया था कि नीति की पुनरीक्षा एक सतत प्रक्रिया है तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं को समय पर पूरा किया जाता है।

कपड़े का उत्पादन

2051. **श्री वीरेन जे० शाह :**
श्री राम जेठ मलानी :

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि कपड़े का उत्पादन मुख्यतः मिलों, हथकरघों तथा विद्यूतकरघों के तीन क्षेत्रों में किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में कपड़े का वर्ष-वार कितना-कितना उत्पादन किया गया ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान अलग-अलग वर्ष में इन क्षेत्रों में नियोजित लोगों की कुल संख्या कितनी है ;

(घ) क्या यह सच है कि सरकार ने इन क्षेत्रों के विकास के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इन योजनाओं पर प्रति वर्ष खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में कपड़े का उत्पादन निम्नानुसार रहा है :